P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-4* ISSUE-2* (Part-1) May- 2019
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

महात्मा गाँधी के जीवन में कस्तूरबा गाँधी का योगदान

शालिनी सान्दु
व्याख्यता,
लोक प्रशासन विभाग,
एस.जे.एम. कॉलेज,
जयपुर, राजस्थान, भारत

सारांश

"दे दी हमे आजादी बिना खडग बिना ढाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।"

प्रस्तुतपत्र में कस्तूरबा गाँधी द्वारा महात्मा गाँधी के राष्ट्रीय आन्दोलन में दिये गये योगदान को स्पष्ट किया गया है। कस्तूरबा गाँधी के व्यक्तिगत एवं चारित्रिक जीवन की विशेषताओ जैसे सहनशीलता, अहिंसावादी, धैर्यवधिता सहृदयता, दृढ निश्चयी, विवेकशीलता इत्यादि को स्पष्ट किया है। पारिवारिक व्यक्तिगत जीवन तथा राष्ट्रीय आन्दोलन के सार्वजानिक जीवन में तालमेल स्थापित करते हुए महात्मा गाँधी को पूर्ण समर्थन प्रदान किया। ना केवल राजनितिक क्षेत्र बल्कि सामाजिक जीवन में भी कस्तूरबा गाँधी ने महात्मा गाँधी का पूरा साथ दिया। महात्मा गाँधी ने स्वयं भी उनकी मृत्यु के।श्चात् उनके योगदान को अपने जीवन में महत्वपूर्ण बताया।

मुख्य शब्द : महात्मा गाँधी, कस्तूरबा गाँधी, राष्ट्रीय आन्दोलन, चारित्रिक विशेषताए।

प्रस्तावना

हमारा देश जो लगभग तीन चार सदियों तक दासता को सहता रहा उसे आजादी का सूरज दिखाने में महात्मा गाँधी का अमूल्य योगदान रहा है। बापू के साधारण पुरुष से संत बनने तक के सफर में कस्तूरबा गाँधी परछाई की तरह उनके साथ रही। यह कहावत तो हमने खूब सुनी है कि हर कामयाब पुरुष के पीछे एक स्त्री का हाथ होता है लेकिन यह कहावत यहाँ सत्य प्रतीत होती है कि गाँधी जी की सफलता में कस्तूरबा गाँधी का योगदान रहा है।

कस्तूरबा गाँधी जिन्हें "बा" के नाम से जाना जाता है का जन्म 11 अप्रैल 1869 पोरबंदर गुजरात में हुआ वे दिखने में बहुत ही सुन्दर थी और अशिक्षित भी थी। महात्मा गाँधी से 6 माह बड़ी भी थी। 13 वर्ष की अल्पायु में इनका विवाह हो गया था। शुरूआती वैवाहिक जीवन में महात्मा गाँधी उन पर खूब अंकुश रखते थे, बा उनकी अनुमति के बिना कहीं भी आ जा सकती नही थी, वरण उनका सजना सँवारना भी गाँधी जी को खलता था। [1]

धीरे धीरे उनका रिश्ता परिपक्व हुआ और वे गाँधी जी के कार्य को समझने लगी व उनका साथ देना उन्होंने प्रारम्भ किया। वे बापू के धार्मिक एवं देश सेवा के महावृत्तों में सदैव उनके साथ रही। यही उनके जीवन का सार है। बापू के अनेक उपवासो में बा उनकी सार संभाल करती रहती थी।[2]

अध्ययन का उद्देश्य

1. कस्तूरबा गाँधी के राष्ट्रीय आन्दोलन में योगदान को स्पष्ट करना।
2. कस्तूरबा गाँधी की व्यक्तिगत व चारित्रिक विशेषताओ को प्रकाश में लाना।
3. राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओ की भूमिका स्पष्ट करना।
4. कस्तूरबा गाँधी के जीवन का प्रभाव महात्मा गाँधी के ऊपर उसका विश्लेषण करना।
5. एक पत्नी के रूप में, एक माँ के रूप में कस्तूरबा गाँधी के जीवन का पक्ष रखना।

कस्तूरबा गांधी के व्यक्तिगत गुण

सहनशीलता

कस्तूरबा गाँधी का यह गुण बापू को भी प्रभावित भी करता था। बापू उनको कुछ भी कहते थे वो उनको चुपचाप सहन कर लेती थी। गाँधी जी और उनके बेटे हरिलाल के बीच कई बार झगडे होते थे। वो दोनों की बातों को सुनती कभी पति प्रेम व कभी संतान प्रेम के बीच में फंस जाती थी। गांधी जी ने भी यह गुण उन्ही से सिखा कि जीवन में सहनशील बने।

अहिंसावादी

कस्तूरबा गाँधी से ही बापू ने अहिंसा का पाठ भी सिखा। बापू के ताने देने की आदत पर उनके ऊपर अंकुश रखने की आदत के कारण बा को काफी

परेशानी रहती थी। लेकिन कभी वो वापस मुड़कर जवाब जल्दी से नहीं देती थी।

धैर्यवान व सहृदय

कस्तूरबा गाँधी धैर्यशील महिला थी। एक बार जब गाँधी जी पर हमला हुआ उनको आकर बताया गया तो थोड़ी देर वो घबराई फिर बोली बापू को सँभालने वाले बहुत से लोग है मुझे आश्रम के लोगो को संभालना है। सभी के साथ समान व्यवहार करना उनकी कुशलता थी, अपने हरिजन की बेटी लक्ष्मी को बेटी की तरह ही प्यार करती थी उनका कहना था कि भारत में दो तरह की दासता है एक तो छुआ छूट एवं दूसरा अंग्रेजो की।

दृढनिश्चय

बा किसी बात का निश्चय कर लेती थी तो उससे पलटती नहीं थी वह शाकाहारी भोजन ही करती थी चाहे कितनी भी विपरीत परिस्थिति हो या डॉक्टर भी कहदे तो भी वह कभी भी मांस नहीं खाती थी। दक्षिण अफ्रीका में जब उनको जेल हुई तो वहां खाने के लिए उनको शाकाहारी भोजन नही दिया जाता था उसका उन्होंने विरोध किया और उपवास करने की ठानी। चार से पांच दिन तक उन्होंने उपवास किया। वहां की सरकार को हार माननी ही पड़ी व बा को शाकाहारी भोजन देना ही पड़ा। [3]

विवेकशील

निरक्षर होने के बावजूद बा में अच्छे व बुरे को पहचानने का विवेक था। गाँधी जी स्वयं कहते थे जो लोग मेरे और बा के सम्पर्क में आये उनमें अधिक संख्या ऐसे लोगो की है जो मेरी अपेक्षा बा पर कई गुणा ज्यादा श्रृद्धा रखते हैं। [4]

समर्पित पत्नी के रूप में

महात्मा गाँधी जी जब बैरिस्टर की पढाई के बाद विलायत से वापस लौटे थे तो अंग्रेजो का रहन सहन और उनकी संस्कृति महात्मा गाँधी पर बहुत हद तक हावी हो चुकी थी वह कस्तूरबा गाँधी को भी अंग्रेजी पढ़ाना चाहते थे इस उद्देश्य से उन्होंने उनके लिए स्लेट और किताबें भी मंगवा ली थी लेकिन कस्तूरबा के लिए यह ।रिवर्तन स्वीकार करना इतना आसान नहीं था उस समय वे महात्मा गाँधी का रवैया कुछ ऐसा था कि वह कस्तूरबा को अपनी हर बात मनवाने के लिए हठ करते थे। कस्तूरबा उनकी अपेक्षा अनुसार जब अंग्रेजी नहीं सीख पाई तो उन्होंने झल्लाकर कह दिया, तू तो एक दम बुद्धिहीन है और एक बात और कह देता हूँ तेरी जैसी अनपढ़ स्त्री से मेरा मेल नहीं बैठ सकता। पति के लिए पूरी तरह से समर्पित कस्तूरबा को यह बात सुनकर काफी ठेस लगी और पति की इच्छा अनुसार उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा ग्रहण करना शुरू किया।

सन 1882 में विवाह होने के बाद दो वर्ष तक साथ रहे फिर गाँधी जी इंग्लेंड चले गये तो कस्तूरबा अकेली ही रही। अकेले ही अपने बच्चे हरिलाल का पालनपोषण किया गाँधी जी की शिक्षा के बाद इंग्लैंड से लौटे लेकिन जल्द ही उन्हें अफ्रीका जाना पड़ा। इसके बाद 1896 में भारत आकर कस्तूरबा को अपने साथ दक्षिण अफ्रीका ले गये। [5]

दक्षिण अफ्रीका में 1913 में एक ऐसा कानून पास हुआ जिसके अनुसार ईसाई मत के अनुसार किये गये विवाह को ही मान्यता दी गई और हिन्दू, मुस्लिम और पारसी आदि के विवाह को अवैध घोषित किया गया। बापू ने इस कानून को रद्द कराने के खूब प्रयत्न किये लेकिन वे सफल नही हुए तो उन्होंने सत्याग्रह करने का निश्चय किया उसमे सम्मिलित होने के लिए वे स्त्रियों से आग्रह करने लगे। इस बात की चर्चा उन्होंने अन्य स्त्रियों से की लेकिन बा से नही की। वे चाहते थे की बा स्वेच्छा से दृढ निश्चय के साथ सत्यग्रह में भाग लें बा ने ऐसा ही किया बा ने दृढ निश्चय के साथ सत्याग्रह में भाग लिया व तीन महीने के लिए वह जेल भी गई। [6]

भारत आने पर एक रिपोर्टर ने बा से पूछा कि भारतीय महिला होने पर आपने जेल की बेइज्जती कैसी की। बा ने उत्तर दिया मेरा गौरव तो पति के साथ निभाने से है। [7]

भारत आने के बाद बापू ने जितने भी काम उठाए उन सब में उन्होंने एक अनुभवी सैनिक की भाँति हाथ बँटाया जैसे –

1. चंपारण सत्याग्रह के दौरान भी उन्होंने गाँधी जी के साथ लोगो को जागरुक किया।
2. खेडा सत्याग्रह के दौरान भी बा घूम घूम कर स्त्रियों का उत्साह वर्धन करती रही।
3. 1992 में गाँधी जी की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने विरोध में विदेशी कपड़ों के परित्याग का आह्वान किया।
4. 1930 में दांडी और घरसाना के बाद जब बापू जेल चले गये तब बा ने उनका स्थान लिया और लोगो का मनोबल बढाती रही।
5. भारत छोडो आन्दोलन के दौरान अंग्रेजी सरकार ने बापू समेत कांग्रेस के सभी शीर्ष नेताओ को 9 अगस्त 1942 को गिरफ्तार कर लिया इसके बाद बा ने मुंबई के शिवाजी पार्क में भाषण देने का निश्चय किया। यहाँ पहुचँने पर उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। [8]

मुम्बई में गिरफ्तार कर कस्तूरबा गाँधी को पूना के आगा खां महल में भेज दिया गया सरकार ने महात्मा गाँधी को भी यही रखा था। उस समय वे अस्वस्थ्य भी गिरफ्तारी के बाद उनका स्वास्थ्य बिगड़ता ही गया। जनवरी 1944 में उन्हें दो बार दिल का दौरा पड़ा। उनके निवेदन पर सरकार ने आयुर्वेदिक डॉक्टर का प्रबंध भी किया। इसके बाद उन्हें कुछ समय के लिए आराम भी मिला लेकिन 22 फरवरी 1944 को उन्हें फिर से उन्हें दिल का दौरा पड़ा और बा हमेशा के लिए इस दुनिया से चली गई। [9]

कस्तूरबा गाँधी को श्रृद्धांजलि देते हुए एक बार गांधी जी ने उनके लिए कहा था अगर बा ने मेरा साथ नहीं दिया होता तो मैं इतना ऊँचा उठ नहीं सकता था। यह बा ही थी जो हर क्षण और हर स्थिति में मेरे साथ थी। अगर वह नही होती तो भगवान् जाने मेरा क्या होता ? मेरी पत्नी मेरे अंतर को जिस प्रकार झग्झोर देती थी, उस प्रकार दुनिया की कोई स्त्री उसे आंदोलित नहीं कर सकती वह मेरे लिए अनमोल रत्न थी। [10]

निष्कर्ष

कस्तूरबा गाँधी ने गाँधी जी के जीवन में एक निश्चय के साथ कदम से कदम मिलाकर हर विपरीत स्थिति में साथ दिया वे बापू के साथ हर उस स्थिति में साथ खड़ी रहती थी जहाँ पर हर कोई विचलित हो सकता है। बापू के सामाजिक कुरूतियों को दूर करने के प्रयासों में बा का योगदान अग्रणी रहा बा अत्यंत ही सहनशील व् आदर्शो पर चलने वाली महिला थी उनके त्याग समर्थन से ही गाँधी जी के जीवन को दिशा मिली। वे गाँधी जी के संघर्षपूर्ण जीवन में साये की तरह साथ रही।

अंत टिप्पणी

1. *Satyanarayan, Sep- 26, 2016 hindispeekingtree-in*
2. *Satyanarayan, Sep- 26, 2016 hindispeekingtree-in*
3. *Saudamini Pandey, Feb 22, 2019 www-herzihelgi-com*
4. *Satyanarayan, Sep- 26, 2016 hindispeekingtree-in*
5. *Saudamini Pandey, Feb 22, 2019 www-herzihelgi-com*
6. *Satyanarayan, Sep- 26, 2016 hindispeekingtree-in*
7. *Movie Gandhi*
8. *Saudamini Pandey, Feb 22, 2019 www-herzihelgi-com*
9. *Satyanarayan, Sep- 26, 2016 hindispeekingtree-in*
10. *Saudamini Pandey, Feb 22, 2019 www-herzihelgi-com*